



न्यायालय मे श्री मान सदस्य महोदय राजस्व मण्डल

ग्वालियर (म0 प्र0)

II) अपील शहडोल अ.श. 2017/1769

Handwritten notes and signatures on the left side of the page, including a date '15.6.17' and a signature.

अबु ओबेदा उम्र 55 वर्ष पिता मो0 जलालुद्दीन निवासी ग्राम खैरहा

तहसील बुढार जिला शहडोल म0 प्र0 - - - - - अपीलार्थी

बनाम

- 1- मानधाता सिंह पिता इन्द्र बहादुर सिंह मृत वारिसान
- 1- रघुनंदन सिंह पिता स्व0 मानधाता सिंह निवासी ग्राम खैरहा तहसील बुढार जिला शहडोल म0 प0
- 2- रतना सिंह पिता स्व0 श्री मानधाता सिंह निवासी ग्राम खैरहा तहसील बुढार जिला शहडोल म0 प0
- 3- श्रीमती वसुंधरा सिंह पिता स्व0 श्री मानधातासिंह निवासी ग्राम खैरहा तहसील बुढार जिला शहडोल म0 प0
- 4- श्रीमती मीरा सिंह पत्नी स्व0 श्री मानधाता सिंह निवासी ग्राम खैरहा तहसील बुढार जिला शहडोल
- 5- म0 प0 शासन - - - - - उत्तरार्थीगण

अपील अंतर्गत धारा 41 मध्य प्रदेश कृषि जोत उच्च सीमा अधिनियम 1960

अपील विरुद्ध श्री मान अपर कमिश्नर संभाग शहोल के प्रकरण क्रमंक 02/बी-90(3) / 2015-2106 आदेश दिनांक 11/3/2016, 28/4/16.

मान्यवर:-

प्रार्थी / अपीलार्थी अपील प्रस्तुत कर विनय करता है कि--:

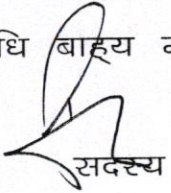
प्रकरण के तथ्य

यह कि ग्राम खैरहा तहसील बुढार स्थित आराजी खसरा क्रमंक 1105, 1118/2 रकवा क्रमशः 0 44, 11 87 एकड आराजी अपीलार्थी के भूमिस्वामित्व कब्जे दखल कि आराजी है जिसे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया है । अपीलार्थी ने ग्राम खैरहा तहसील बुढार कि आराजी खसरा क्रमंक 1105, 1118/2 रकवा क्रमशः 0 44, 11 87 एकड आराजी को दिनांक 09/12/1991 को, प्रतिभा कुमारी सिंह से रजिस्टर्ड

न्यायालय, राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक दो/अपील/शहडोल/भूरा/2017/1769

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ता एवं अभिभाषकों/आदि के हस्ताक्षर
16-4-18	<p>अपीलार्थी के अधिवक्ता श्री राजेन्द्र जैन द्वारा यह अपील अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के प्र0 क0 02/बी-90(3)/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 11.3.16 एवं 28.4.16 के विरुद्ध अपील अंतर्गत धारा 41 मध्यप्रदेश कृषि जोत उच्च सीमा अधिनियम 1960 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है। अपील में के साथ धारा-5 का आवेदन मय शपथ पत्र के प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2- अपीलार्थी अधिवक्ता द्वारा यह अपील 1 वर्ष 3 माह के विलंब से इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई है। अपीलार्थी के अधिवक्ता द्वारा म्याद अधिनियम की धारा-5 के अन्तर्गत दिये गये आवेदन में ऐसे कोई ठोस आधार नहीं दर्शाये गये हैं, जिसमें विलंब मांफ किया जा सके, समयावधि बाह्य प्रकरणों में दिन प्रतिदिन के विलंब का स्पष्ट एवं समाधानकारक कारण दर्शाया जाना चाहिये। आवेदक अधिवक्ता एवं आवेदक द्वारा विलंब के संबंध में कोई ठोस व स्पष्ट कारण नहीं दर्शा सके है। अतः निगरानी अवधि बाह्य मान्य करते हुये अग्रह की जाती है।</p>	<p style="text-align: center;"> सदस्य</p>